सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय नगरी–सिहावा जिला धमतरी छ0ग0

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

बैठक दिनांक 04.03.2017, शनिवार को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन

दिनांक 04.03.2017 दिन शनिवार को महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की आवश्यक बैठक महाविद्यालय के संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य डॉ. अमिताभ बैनर्जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी जिसमें महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निम्नांकित सम्माननीय सदस्य गण उपस्थित रहे।

क्र.	सदस्य का नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. अमिताभ बैनर्जी	
2.	श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व	
3.	श्री रविशंकर दुबे जी	
4.	श्री शिवदयाल साहू जी	
5.	श्री डी.सी.खेलन	
6.	प्रो. एम.के.शर्मा	
7.	प्रो.जयेश करंजगांवकर	
8.	प्रो.पी.एस. सोनसांठ	

बैठक में महाविद्यालय की गुणवत्ता संबंधी चेतना को बनाए रखने एवं महत्वपूर्ण शैक्षणिक/अकादमिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया तथा महाविद्यालय के नैक प्रत्यानन एवं मूल्यांकन हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। बैठक की सूचना एवं एजेंडा के अनुरूप निम्नलिखित शैक्षणिक एवं अकादमिक बिंदुओं पर विचार विमर्श किया जाकर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये थे जिनका पालन प्रतिवेदन अवलोकनार्थ एवं अनुमोदनार्थ माननीय सदस्यगणों के समक्ष सादर प्रस्तुत :–

क.	प्रस्ताव	निर्णय	पालन प्रतिवेदन
1	सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगणों द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन की दिनांक 12.04.2016 को आयोजित बैठक में लिये गये प्रस्तावों एवं निर्णयों का अनुमोदन किया जाकर सर्व सम्मति से पारित किया गया।	बैठक में सभी सदस्यों ने पुर्व बैठक में लिए गए निर्णयों एवं प्रस्तावों का विधिवत अनुमोदन किया गया ।	अनुमोदित
2.	यह प्रस्तावित किया गया जाता है कि महाविद्यालय में भौतिकशास्त्र विषय में स्थानान्तरण उपरांत नवीन पदस्थ पदोन्त प्राध्यापक डॉ. एम.एल.वर्मा को महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सूची में सर्व सम्मति से नये सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाकर उन्हे सम्मिलित किया जाये तथा सूची में आंशिक संशोधन को मंजूरी प्रदान की जाये।	बैठक में सभी सदस्यों ने पदोन्नत प्राध्यापक डॉ.एम.एल.वर्मा को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ में शामिल किए जाने हेतु सर्वसम्मति से अपनी सहमति प्रदान की।	प्राध्यापक डॉ.एम.एल.वर्मा को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ में शामिल किए जाने हेतु कार्यवाही की गयी ।

3	आज की इस बैठक में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी विचार करना एवं माननीय सदस्यगणों के ध्यान में यह बात लाना अधिक महत्वपूर्ण होगा कि महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास में एक मूलभूत कमी एवं समस्या बेहतर संचार व्यवस्था का उपलब्ध न होना है। महाविद्यालय के गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु एक सुचारू एवं परिष्कृत सुचार व्यवस्था के अभाव के कारण महाविद्यालय को अनेक समस्याओं से रूबरू होना पड़ रहा है। नियमित एवं अबाधित संचार एवं नेट कनेक्टीविटी की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण महाविद्यालय अपने अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को आधुनिक कम्प्यूटर लैब एवं कम्प्यूटर संबंधी तकनीकी पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही कार्यालयीन पत्रों के समय पर प्रेषण न होने के कारण भी महाविद्यालय को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जो कि महाविद्यालय की गुणवत्ता एवं विकास में प्रमुख बाधक है। चूंकि महाविद्यालय मुख्यालय नगरी से 4 कि.मी. की दूरी पर है तथा लोकल अथारिटी के द्वारा कार्य कराये जाने पर भूमिगत केबल बार–बार डैमेज हो जाने के कारण उपलब्ध संचार व्यवस्था बाधित हो जाती है। इस संबंध में संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य द्वारा सार्थक पहल की जाकर दूरसंचार विभाग के सीजीएम से चर्चा की गई जिसमें की उनके द्वारा महाविद्यालय में वायरलेस (RF) तकनीक के कनेक्शन व स्थापना का प्रस्ताव एवं सुझाव दिया गया जिससे कि महाविद्यालय में एक सुदृढ़ नेट कनेक्टीविटी की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अतः उक्त कार्य के संबंध में अनुमानित लागत 60 हजार से लेकर 70 हजार रूपये तक आने की संभावना है। अतः इस बैठक में यूजीसी व्दारा आबंटित ICT COMMUNICATION EXP. मद से उक्त कार्य कराए जाने का प्रस्ताव एवं CONTINGENCY मद से **लेन नेटवर्किंग** का कार्य कराए जाने का प्रस्ताव माननीय सदस्य गणों की स्वीकृति एवं उनके अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।	सभी सदस्यो ने महाविद्यालय के उक्त आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुए तथा महाविद्यालय में एक मजबूत संचार व्यवस्था के स्थापना के संबंध में उक्त कार्य कराए जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की एवं साथ ही तत्संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए शीघ्र प्रयास किए जाने पर बल दिया गया । तथा आगामी बैठक में समिति को कार्यवाही से अवगत कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया ।	उक्त प्रस्ताव पर लिए गए निर्णय के परिपालन में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की बैठक में उक्त प्रस्ताव को सदस्यों के समक्ष रखा गया जिस पर सहमति प्राप्त की जाकर महाविद्यालय में संचार एवं नेट कनेक्टीविटी की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के तारतम्य में वायरलेस (RF) तकनीक के कनेक्शन व स्थापना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है । इसके साथ ही **लेन नेटवर्किंग** का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।
4	बैठक में माननीय सदस्यगणों के समक्ष यह तथ्य प्रकाश में लाया जाता है कि महाविद्यालय में प्रस्तावित नैक मूल्यांकन के संबंध में प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है तथा नैक द्वारा पुर्ननिर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप महाविद्यालय के स्वयं की वेबसाइट www.gcnagri.ac.in का निर्माण किया जा चुका है । उक्त प्रक्रिया के परिप्रेक्ष्य में	सभी सदस्यो ने महाविद्यालय के नैक प्रत्यायन के संबंध मे महाविद्यालय व्दारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली तथा नैक मुल्यांकनएवं प्रत्यायन हेतु	महाविद्यालय के नैक मुल्यांकन एवं प्रत्यायन के संबंध मे सभी आवश्यक कदम उठाए के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में महाविद्यालय में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाने का कार्य भी पूर्ण कर

	महाविद्यालय द्वारा स्वयं अध्ययन प्रतिवेदन (Self Study Report) बनाने का कार्य प्रगति पर है । (Self Study Report) तैयार होने के उपरांत उसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं निर्देशानुसार इस प्रक्रिया के उपरांत LOI प्रेषित कर दी जायेगी। इसके साथ ही महाविद्यालय में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाने का भी प्रस्ताव भी सदस्यों के सम्मुख रखा गया।	सभी आवश्यक कदम उठाए जाने के लिए अपनी सहमति दी ।	लिया गया है।
5	माननीय सदस्यगण यह बताते हुये अत्यंत खुशी की अनुभूति है कि आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पूर्व बैठक में लिये गये निर्णय के परिपालन में महाविद्यालय में नये संकाय एवं पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में सत्र 2016–17 में स्व वित्तीय आधार पर नवीन संकाय पीजीडीसीए पाठ्यक्रम का अध्यापन प्रारंभ किया जा चुका है एवं अन्य स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जाने हेतु शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग से नियमित पत्राचार किया जा रहा है।	सभी सदस्यो ने महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की तथा अन्य पाठ्यक्रमों हेतु पुनः शासन स्तर पर प्रयास किए जाने हेतु बल दिया।	महाविद्यालय में नये संकाय एवं पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में सत्र 2016–17 में स्व वित्तीय आधार पर नवीन संकाय पीजीडीसीए पाठ्यक्रम का अध्यापन प्रारंभ किया जा चुका है। स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जाने हेतु प्रयास सतत जारी है।
6	बैठक में सदस्यगणों को यह भी अवगत कराया जाता है कि पूर्व बैठक में लिये गये निर्णयों के संबंध एवं राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के दिशा–निर्देशों के तारतम्य में महाविद्यालय के नैक मूल्यांकन की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में दिनांक 18.02.2017 को "क्षमता विकास एवं च्वाईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें विषय विशेषज्ञों के तौर पर प्रो. कल्लौल कुमार घोष, प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं रसायनशास्त्री पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर एवं प्रो. ए.के.गुप्ता, वैज्ञानिक एवं भौतिकशास्त्री, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने महाविद्यालय का आमंत्रण स्वीकार किया एवं महाविद्यालय पधारकर नैक मूल्यांकन के संबंध में एवं तैयारियों के संबंध में मूलभूत बातों एवं नियमों की जानकारी प्रदान की तथा अपने आवश्यक सुझावों एवं विचारों से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा छात्र/छात्राओं को अवगत कराया निश्चय ही उनके सुझाव पर अमल करते हुये महाविद्यालय का नैक मूल्यांकन सफल हो सकेगा। इस बैठक में माननीय सदस्यगणों द्वारा उक्त आयोजित कार्यशाला के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत है एवं भविष्य में और भी गुणवत्ता पूर्ण कार्यशाला एवं राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया जाना संकल्पित है।	सभी सदस्यो ने उक्त कार्यशाला के संबंध में जानकारी ली तथा उक्त कार्यशाला के सफल आयोजन पर सभी सदस्यों ने बधाई प्रेषित की ।	कार्यवाही पूर्ण की गयी ।

7	यह प्रस्तावित किया जाता है कि महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु नवीन भवन का कार्य प्रगति पर है। उक्त भवन की पूर्णता के उपरांत महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं एवं प्राध्यापक गणों हेतु शिक्षण के तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कि लिये अत्याधुनिक LCD एवं DLP प्रोजेक्टर तथा साउंड सिस्टम के संस्थापन का प्रस्ताव रखा जाता है।	सभी सदस्यो ने सर्वसम्मति से उक्त कार्य को चरणबध्द रूप से पूर्ण किए जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की ।	महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं एवं प्राध्यापक गणों हेतु शिक्षण के तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कि लिये अत्याधुनिक LCD एवं DLP प्रोजेक्टर तथा साउंड सिस्टम के संस्थापन की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।
8	पूर्व बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुरूप महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से IQAC मद से उपकरण क्रय हेतु आबंटित राशि में से एक आधुनिक कम्प्यूटर एवं प्रिंटर सेट का क्रय किया जा चुका है। अतः उक्त क्रय का अनुमोदन माननीय सदस्यों से अपेक्षित है।	निर्णय लिया गया कि महाविद्यालय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रिंटर सेट का भी क्रय किया जाए एवं आगामी बैठक में समिति को कार्यवाही से अवगत कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया ।	क्रय किए जाने की कार्यवाही पूर्ण ।
9	महाविद्यालय की इस बैठक में भूतपूर्व छात्र/छात्राओं के प्रदर्शन एवं उपलब्धियों के आधार पर एक एल्युमिनाई एसोसियेशन का गठन किया जाये तथा प्रत्येक संकाय के एल्युमिनाई संगठन के आधार पर महाविद्यालय स्तर पर एक एल्युमिनाई ऐसोसियेशन का गठन कर उसका विधिवत् पंजीयन किया जाये जो कि नैक के परिप्रेक्ष्य में भी अत्यंत महत्वपूर्ण कदम होगा।	बैठक में सभी सदस्यों ने महाविद्यालय में आगामी सत्र में एल्यूमिनाई एसोसिएशन के गठन एवं पंजीयन किए जाने पर अपनी सहमति प्रदान की।	उक्त प्रस्ताव पर लिए गए निर्णय के परिपालन में महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्र–छात्राओं के एल्युमिनाई संगठन के गठन एवं पंजीयन हेतु कार्यवाही प्रारभ किए जाने हेतु रासेयो एवं क्रीडा प्रभारी डॉ.ए.के.ध्रुव सहायक प्राध्यापक हिन्दी को निर्देशित किया गया है।
10	महाविद्यालय की आज की इस बैठक में दिनांक 15.11. 2016 दिन मंगलवार को आयोजित महाविद्यालय की गुणवत्ता, सलाहकार/परामर्शदात्री समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुमोदन का प्रस्ताव भी माननीय सदस्यगणों के अनुमोदनार्थ रखा जाता है।	बैठक में सभी सदस्यों ने महाविद्यालय की गुणवत्ता सलाहकार समिति की बैठक में लिए गए प्रस्तावों एवं निर्णयो का भी अनुमोदन किया गया।	कार्यवाही पूर्ण ।

अंत में बैठक में उपस्थित समस्त सम्माननीय सदस्यगणों ने उपरोक्त प्रस्तावों एवं संपादित गतिविधियों पर गंभीरता पूर्वक विचार–विमर्श कर उनके परिपालन किये जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पूर्व बैठक में लिये गये निर्णयों का अनुमोदन किया गया तथा उन्हे पारित किया गया। अंत में बैठक के अध्यक्ष माननीय प्राचार्य महोदय द्वारा बैठक समाप्ति की घोषणा की जाकर आभार ज्ञापित किया गया।

संयोजक
(IQAC)

प्राचार्य
...राम ... महाविद्यालय
...री. (छ.ग.)